सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

सुविचार

"मुस्कान और मदद ये दो ऐसे इत्र हैं जिन्हें आप जितना अधिक दूसरों पर छिड़केंगे, उतने ही सुगंधित आप स्वयं होगे।"

मास्क जरूरी, नहीं कोई मजबूरी

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-3 • 23 SEPTEMBER TO 29 SEPTEMBER 2021 • VOLUME-10 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

बेअदबी मामलों में पंथ को इंसाफ दिलाया जाएगा : चन्नी

पंजाब के मुख्यमंत्री अमृतसर में श्री दरबार साहिब, श्री दुर्ग्याना मंदिर और भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल में हुए नतमस्तक

अमृतसर. पंजाब के मुख्यमंत्री स. चरणजीत सिंह चन्नी ने आज स्पष्ट तौर पर कहा कि बेअदबी की दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के लिए पंथ को इंसाफ दिलाया जाएगा। श्री दरबार साहिब में नतमस्तक होने के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने समानता वाले समाज की सृजन करने के लिए जाति, रंग, नस्ल और धर्म के भेदभाव से ऊपर उठ कर राज्य के लोगों की सेवा करने के लिए अरदास करके परमात्मा का आर्शीवाद माँगा।

चन्नी ने कहा कि समाज में प्यार, भाईचारे और सदभावना के मूल्यों को हर कीमत पर कायम रखा जायेगा और यह उनकी हमेशा प्रमुख प्राथमिकता रहेगी। इससे पहले मुख्यमंत्री तड़के श्री हरिमन्दर साहिब पहुँचे जहाँ उन्होंने श्री दरबार साहिब और श्री अकाल तख़्त साहिब में अरदास करने से पहले परिक्रमा की। उनको पवित्र पालकी साहिब की सेवा करने का भी सौभाग्य हासिल हुआ। उन्होंने गुरबानी कीर्तन सुना। वह अरदास में शामल हुए, देग और रुमाला साहिब भेंट किया और हुक्मनामा भी सुना। इसके उपरांत सूचना कार्यालय में शिरोमणि कमेटी के जनरल सचिव भगवंत सिंह सियालका और श्री दरबार साहिब के मैनेजर गुरिन्दर सिंह ने मुख्यमंत्री और अन्य आदरणियों को 'सिरोपा' दिया और 'श्री हरिमन्दर साहिब' के मॉडल से सम्मानित किया।

श्री हरिमन्दर साहब में नतमस्तक होने के मौके पर चन्नी के साथ उप-मुख्यमंत्री सुखजिन्दर सिंह रंधावा व ओ पी सोनी और पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान स. नवजोत सिंह सिद्धू के अलावा विधायक और मुख्यमंत्री के पारिवारिक मैंबर भी मौजूद थे। इसके उपरांत मुख्यमंत्री श्री दुर्ग्याना मंदिर और भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल, राम तीर्थ में भी नतमस्तक हुए जहाँ उनको वहाँ से प्रबंधक कमेटियों द्वारा सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने जलियांवाला बाग़ स्मारक का दौरा करते हुये शहीदों को श्रद्धांजलि भी भेंट की। मुख्यमंत्री उप-मुख्यमंत्री ओपी सोनी, लोक सभा मैंबर गुरजीत सिंह औजला, विधायक सुखबिन्दर सिंह सरकारिया, डा. राज कुमार वेरका और सुखविन्दर सिंह डैनी के घर भी गए।

चन्नी ने की खट्टर से मुलाकात

पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने बुधवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ चण्डीगढ़ में हरियाणा सिविल सचिवालय में शिष्टाचार के नाते मुलाकात की। खट्टर ने सत्कार के तौर पर स. चन्नी को गुलदस्ता, शॉल और अर्जुन कृष्ण रथ का मॉडल भेंट किया।

शहीद-ए-आज़म भगत सिंह को श्रद्धा-सुमन अर्पित

खटकड़ कलाँ. पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने महान शहीदों के बेमिसाल बलिदानों को हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत बताते हुए उनके नक्शे कदमों पर चलने का आह्वान किया। आज यहाँ मुख्यमंत्री ने उप मुख्यमंत्री सुखजिन्दर सिंह रंधावा के साथ महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह और उनके पिता कृष्ण सिंह को श्रद्धासुमन भेंट करने संबंधी अपने विचार प्रकट करते हुए भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भगत सिंह और अन्य शहीदों के कीमती योगदान और जज्बे को याद किया।

P.U. SENATE ELECTION (Graduate Constituency)
September 26, 2021 (Sunday) 08:00 AM to 05:00 PM

VOTE SUPPORT & ELECT

Please Cast Your FIRST Preference Vote

DAYAL PARTAP SINGH RANDHAWA

Ph.D. (Panjab University)
Member Senate & Syndicate Panjab University
Advocate, Punjab & Haryana High Court
Former President Panjab University Students' Council
Former President Punjab & Haryana High Court Bar Association

Residence:
Kothi No. 229, Sector 16 A, Chandigarh - 160 015

Mobile: 98144 00088 e-mail: dpsrandhawa@hotmail.com

Serial Number 8

आतंकवादियों से संबंधों के आरोप में छह कर्मचारी बर्खास्त

श्रीनगर. जम्मू कश्मीर सरकार के दो पुलिस कर्मियों सहित छह कर्मचारियों को आतंकवादियों के साथ कथित संबंधों को लेकर बुधवार को बर्खास्त कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। संविधान के अनुच्छेद 311 (2) (सी) के तहत मामलों की सिफारिश करने के लिए जम्मू कश्मीर प्रशासन की विशेष समिति ने इन बर्खास्तगी को मंजूरी दी। छह कर्मचारियों को आतंकवादियों से संपर्क रखने और उनके लिए काम करने को लेकर बर्खास्त कर दिया गया।

इन कर्मचारियों में अनंतनाग के बिजबेहरा निवासी अब्दुल हामिद वानी भी शामिल है जो शिक्षक के तौर पर कार्यरत था। अधिकारियों के अनुसार सरकारी सेवा में आने से पहले, वानी अब निष्क्रिय हो गए आतंकवादी संगठन, अल्लाह टाइगर्स का जिला कमांडर था। आरोप है कि वानी ने प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी के प्रभाव का फायदा उठाकर बिना किसी चयन प्रक्रिया के रोजगार हासिल कर लिया और वह प्रतिबंधित आतंकवादी समूह हिजबुल मुजाहिदीन के चेहरे बुरहान वानी की मौत के बाद 2016 में हुए आंदोलन के दौरान प्रमुख वक्ताओं और आयोजकों में एक थायह भी आरोप है कि उसने अलगाववादी विचारधारा का प्रचार किया।

सिद्धू के करीबी को अमृतसर इंप्रूवमेंट ट्रस्ट का अध्यक्ष बनाया

अमृतसर. पंजाब कांग्रेस के प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के एक निकट सहयोगी को बुधवार को अमृतसर इंप्रूवमेंट ट्रस्ट का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के करीबी दिनेश बस्सी की जगह दमन उप्पल को नया अध्यक्ष बनाया गया। सिद्धू की मौजूदगी में मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने निगम पार्षद उप्पल को नियुक्ति पत्र दिया।

फल सेहत के लिए लाभदायक है पर एक कद्दावर नेता के लिए चीकू और सीता फल हानिकारक साबित हुए हैं

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

साल 2022 में 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव को सिर्फ कुछ ही महीनों का वक़्त रह गया है और मौजूदा सरकार में आपसी मतभेद व अविश्वास की भावना बढ़ने के कारण एक कद्दावर नेता ने समय पूर्व ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया

अपने पद पर रहते हुए अफसरशाही पर ज्यादा भरोसा और जीते हुए विधायकों से दूरी भी पार्टी की अंदरूनी मतभेद, दूसरे गुट के लोगों के लिए फयदेमंद साबित हुई है।

पिछले काफी समय से इस कद्दावर नेता के साथियों पर भ्रष्टाचार के आरोप विपक्षी पार्टियों ने खुल कर सबूतों के साथ लगाए थे। बावजूद इसके नेता द्वारा अपने साथियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इन्हें भ्रम था कि उनकी पहुंच पार्टी हाईकमान तक है और आगे भी इस पद पर काबिज रहेंगे। उनका मुकाबला करने वाला कोई नहीं है।

लेकिन इस बार **नेता जी** को **जोर का झटका धीरे से लगा** है और नेता जी पार्टी हाई कमान द्वारा लिए गए फैसले को हजम नहीं कर पाए और खुद को अपमानित महसूस करते हुए इस्तीफा देना ही उचित समझा। हैरानी की बात यह भी है कि नेता जी के साथी जो हमेशा नेता जी की सोच पर पहरा देते थे वे अब पार्टी के दूसरे गुट के साथ देखे जा रहे हैं।

जिक्रयोग्य है इन्होंने सत्ता पाने के लिए लोगों से जो वायदे किए थे वह भी सब खोखले साबित हुए हैं।

कोरोना काल में स्कूल बंद होने के बावजूद बच्चों के अभिभावकों को निजी स्कूलों द्वारा खूब लूटा गया। इस संबंधी लोगों के गुहार लगाने के बावजूद इन्होंने निजी स्कूलों पर कोई कार्रवाई नहीं की जिससे स्कूल मनमर्जी करने और अनुचित फीस वसूलने में कामयाब रहे। इनमें से बहुत सारे ऐसे अभिभावक थे जिन्हें लॉकडाउन के दौरान नौकरी से हाथ धोना पड़ा।

गौरतलब है कि पिछले लंबे समय से इस नेता द्वारा कई विभागों में अफसरों को लूट मचाने की खुली छूट दी गई थी। अफसरों को लूट से रोकने पर सुनने में यही मिलता था- जनाब ऊपर बैठे नेताओं को भी खुश करना है।

जिक्र योग्य है कि कुछ महीने पहले एक विदेशी महिला का एक वीडियो भी वायरल हुआ था जिसमें महिला, नेता जी से चीकू और सीता फल मंगवाने की बात कर रही थी इस तरह विदेशी महिला को चीकू और सीता फल खिलाना भी **नेता जी** के लिए नुकसानदायक साबित हुआ। इस वीडियो के वायरल होने से भी नेता जी की छवि पार्टी हाई कमान के सामने खराब हुई है।

अब आने वाला समय ही बताएगा कि वे अपनी अपमानित छवि को जनता व पार्टी हाई कमान के सामने कैसे ठीक करते हैं। नेता जी जिस प्रकार मीडिया के सवालों के जबाव दे रहे हैं इससे साफ दिखता है कि अभी वे चुपचाप बैठने वाले नहीं बल्कि उन्होंने किसी न किसी रणनीति के तहत ही अपने पद से भी इस्तीफा दिया है। यह भी देखते हैं कि आने वाले दिनों में पार्टी के लिए क्या नई मुसीबत खड़ी करते हैं।

जालंधर ब्रीज विचार

फल जितना मीठा और सेहत के लिए लाभदायक होता है। उतना ही यह नुकसानदायक है। अगर खाने वालों को इसे खाने का ढंग ना हो। ऐसे ही आपका समय जितना बलवान होता है उतना ही यह कमजोर भी होता है। अगर आपको समय का इस्तेमाल सही वक्त पर करना ना आता हो। ऐसा ही मंजर इन दिनों सत्ता के गलियारों में देखने को मिल रहा है। अब आने वाला वक्त ही बताएगा कि वह किसके साथ है और किसके खिलाफ...

क्या आप भी चाहते हैं हिमालय के बीच कैंपिंग करना?

जानिए वहां की कुछ बेहतरीन जगहें

घूमने के शौकीन भारत में भी काफी लोग हैं और खासकर वैसे लोग जो हिमालय की गोद में कैंपिंग करना पसंद करते हैं। वो जगह को एक्सप्लोर करने के साथ ही फुल पैकेज की तलाश में रहते हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

महान हिमालय उन लोगों के लिए एक स्वर्ग है जो बाहर के अजूबों की खोज करना चाहते हैं। और बाहर का आनंद लेने के लिए तंबू लगाने और तारों के नीचे डेरा डालने से बेहतर क्या हो सकता है। तो, ये अंश उन लोगों के लिए है जो हिमालय में शिविर लगाने के ऑप्शन्स की तलाश कर रहे हैं और अज्ञात की खोज करना चाहते हैं। तो, यहां हिमालय में कैंपिंग के लिए हमारे पसंदीदा स्थान हैं।

भीमताल, उत्तराखंड

ये मंत्रमुग्ध कर देने वाला पर्यटन स्थल समुद्र तल से 1370 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जो हिमालय में कैंपिंग के लिए एक बेहतरीन जगह है। भगवान शिव को समर्पित भीमेश्वर महादेव मंदिर जैसे प्राचीन मंदिरों के साथ सुंदर भीमताल झील इस जगह का प्राथमिक आकर्षण है।

ये स्थान पहाड़ियों और जंगलों से घिरा हुआ है जो इसे सितारों के नीचे डेरा डालने के लिए एक दिलचस्प डेस्टिनेशन बनाता है। यहां पर, आप बाहर का आनंद लेने, आस-पास के क्षेत्रों का पता लगाने और मछली पकड़ने का अनुभव करने का ऑप्शन भी चुन सकते हैं।

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश

धर्मशाला में कैम्पिंग आपको बाहर का अनुभव करने के लिए कई ऑप्शन प्रदान करता है। कांगड़ा जिले की पहाड़ियों में बसा ये हिल स्टेशन अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। पृष्ठभूमि में बर्फ से ढकी धौलाधार पर्वत श्रृंखला के साथ, धर्मशाला को हिमालय में कई ट्रेकिंग रास्तों के प्रवेश द्वार के रूप में भी जाना जाता है।

विजिटर्स के बीच सबसे लोकप्रिय ट्रेक त्रिउंड ट्रेक है, जो त्रिउंड चोटी तक पहुंचने में तकरीबन पांच घंटे का समय लेता है, जहां आप अपना तम्बू स्थापित कर सकते हैं और अपने जीवन का सबसे अच्छा शिविर अनुभव कर सकते हैं।

फूलों की घाटी, उत्तराखंड

फूलों की घाटी गढ़वाल हिमालय में 88 वर्ग किमी में फैली हुई है, और अपने अल्पाइन के पौधों के खिलने के लिए प्रसिद्ध है। ये जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है, ये स्थान घास के मैदानों, झरनों और वनस्पतियों और जीवों की किस्मों से सुशोभित है।

अगर आप यहां शिविर का अनुभव करने के इच्छुक हैं, तो इस स्थान पर जाने का सबसे अच्छा समय जुलाई के मध्य से अगस्त के अंत तक होना चाहिए, जब घाटी अपने सबसे अच्छे रंग में हो। हालांकि, आपको फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान के अंदर शिविर लगाने की अनुमति नहीं होगी, निकटतम शिविर घांघरिया का सुरम्य गांव होगा, जो कुछ किलोमीटर दूर स्थित है।

सांगला घाटी, हिमाचल प्रदेश

हालांकि, सांगला घाटी कम प्रसिद्ध कैंपिंग स्थलों में से एक है, लेकिन ये स्थान आपको निराश नहीं करेगा। समुद्र तल से 2600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस घाटी की पृष्ठभूमि में राजसी किन्नर कैलाश चोटी है। घाटी चौड़, देवदार, सेब, अखरोट और इसके चारों ओर खूबानी के पेड़ों से सुरम्य है। इसलिए, अगर आप यहां कैंपिंग का अनुभव करने की योजना बना रहे हैं, तो आपके पास अपने अनुभव को सार्थक बनाने के लिए सभी तत्व होंगे।

कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

कुल्लू एक और डेस्टिनेश है, जहां कोई भी एक बेहतरीन कैंपिंग अनुभव का आनंद ले सकता है। कोई भी दिन भर की ट्रेकिंग में शामिल हो सकता है, और फिर शाम भर कैंपिंग कर सकता है।
इसके अलावा, अगर आप सर्दियों के दौरान अपनी यात्रा की योजना बनाते हैं, तो आप कैम्पिंग का आनंद ले सकते हैं और अलाव के आस-पास अपने दोस्तों के साथ अच्छा समय बिता सकते हैं। इसके अलावा, कुल्लू कई रास्तों के लिए जाना जाता है, इसलिए उनमें से कम से कम एक की खोज करने का प्रयास करें।

हेल्दी रहने के लिए इन 10 अच्छी आदतों को अपने दिनचर्या में करें शामिल

स्वस्थ रहने के लिए जीवनशैली में कुछ छोटे बदलाव लाना जरूरी है। कुछ अच्छी आदतों को अपनाना होगा जो आपके स्वास्थ्य को बेहतर बना सकती हैं। आज के तेज रफ्तार जीवन में स्वस्थ शरीर और दिमाग होना बहुत जरूरी है। इसके लिए हेल्दी डाइट, व्यायाम और स्वस्थ आदतों का पालन करने की आवश्यकता है। ये अच्छी आदतें हमें अपने लक्ष्यों के करीब एक कदम तक पहुंचने में मदद करती हैं। हेल्दी जीवनशैली अपनाने से आप कई शारीरिक समस्याओं से बचे रह सकते हैं। इसके अलावा आप मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहते हैं। स्वस्थ रहने के लिए आप कौन से आदतों को अपना सकते हैं आइए जानें।

• **जालंधर ब्रीज.हेल्थ रिपोर्टर**

जल्दी उठना | सुबह जल्दी उठने के अपने कई फायदे हैं। जल्दी उठने से आपको ध्यान या व्यायाम का अभ्यास करने के लिए समय मिल जाता है। इससे आप दिनभर अच्छा महसूस करते हैं।

व्यायाम | रोजाना व्यायाम करने से आप फिट और हेल्दी रहते हैं। ये पसीने के माध्यम से शरीर से सभी टॉक्सिन को निकालने में आपकी मदद करता है। ये आपके ब्लड सर्कुलेशन को भी बढ़ाता है। व्यायाम करना आपकी त्वचा और बालों के लिए भी बहुत अच्छा होता है।

स्वादिष्ट नाश्ता | बहुत से लोग वजन कम करने के लिए नाश्ता नहीं करने में विश्वास करते हैं। हालांकि नाश्ता न करने से भूख और लगती है, और आप अपने शरीर की आवश्यकता से अधिक खा लेते हैं।

हाइड्रेट | शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। आपकी कोशिकाओं के समुचित कार्य, शरीर के तापमान को नियंत्रित करने, टॉक्सिन को बाहर निकालने और संक्रमण को रोकने के लिए हाइड्रेशन बहुत महत्वपूर्ण है।

एक टू-डू सूची होना | एक टू-डू सूची आपको अपने लक्ष्य निर्धारित करने या अपने दिन की योजना बनाने में मदद करती है। ये आपको आखिरी समय में उन चीजों को करने से रोकता है जो तनाव पैदा कर सकती हैं।

हेल्दी ड्रिंक | हेल्दी शरीर के लिए, आपको ग्रीन टी जैसे हेल्दी विकल्प का चयन कर सकते हैं। ग्रीन टी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है,तनाव को दूर करने के लिए फायदेमंद है।

एक्टिव रहें | लिफ्ट लेने के बजाय सीढ़ियां चढ़ना आपके शरीर को फिट और सक्रिय रख सकता है। वीकेंड पर आप अपने दोस्तों के साथ ट्रेकिंग पर भी जा सकते हैं।

खाना बनाना | घर के बने हेल्दी खाने की कोई तुलना नहीं है। आप अपने अनुसार कैलोरी या प्रोटीन की मात्रा को कंट्रोल कर सकते हैं।

अच्छी नींद | तनाव के स्तर को कम करने और मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में सुधार करने के लिए रात की अच्छी नींद महत्वपूर्ण है। इसलिए, स्वस्थ जीवनशैली, फिट शरीर और दिमाग पाने के लिए देर रात तक जगे रहने की आदत को छोड़ दें।

बच्चों के लिए शाम के नाश्ते में बनाएं चिली गार्लिक पोटैटो

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

चिली गार्लिक पोटैटो बाइट आपके बच्चों के लिए एकदम सही स्नैक विकल्प है। इसे आप घर पर आसानी से बना सकते हैं आइए जानें इसकी रेसिपी।

आप बच्चों के लिए शाम के नाश्ते में चिली गार्लिक पोटैटो भी बना सकते हैं। इन्हें बनाना काफी आसान है। ये एक स्वादिष्ट रेसिपी है। इसे बनने में बस कुछ ही मिनट लगते हैं। ये रेसिपी बच्चों को काफी पसंद आएंगी। इसके अलावा आप इसे किसी खास अवसर पर भी बना सकते हैं।

आसानी से बनने वाली ये रेसिपी हर उम्र के लोगों को पसंद आती है। इस स्वादिष्ट व्यंजन का आनंद कभी भी लिया जा सकता है। इसमें लहसुन होता है जो हमारे शरीर के लिए बहुत ही पौष्टिक होता है। आइए जानें इसकी रेसिपी।

ऐसे बनाएं घर पर चिली गार्लिक पोटैटो

सामग्री

तेल, नमक, उबले आलू-4-5, लहसुन का पेस्ट-1 छोटा चम्मच, मक्के का आटा-2 चम्मच, चिल्ली फ्लेक्स-1 छोटा चम्मच, कटी हुई धनिया पत्ती, चिली गार्लिक पोटैटो बनाने का तरीका।

स्टेप-1

उबले आलू को कद्दूकस कर लें।

स्टेप-2

कॉर्नफ्लोर, चिली फ्लेक्स, लहसुन का पेस्ट और हरा धनिया डालें। सभी सामग्री को एक साथ मिलाएं।

स्टेप-3

अब इस मिश्रण को लेकर छोटे-छोटे बेलनाकार आकार बना लें।

स्टेप-4

एक पैन में थोडा सा तेल गरम करके इन्हें तल लें।

स्टेप-5

अब आप इसे अपनी मनपसंद चटनी के साथ परोस सकते हैं।

लहसुन में पोषक तत्व : कोरोना काल में लहसुन का सेवन करना सेहत के लिए अच्छा है। ऐसे में लहसुन शरीर की इम्युनिटी बढ़ाने और बीमारियों से बचाने में मदद करेगा। लहसुन में एलिकिन होता है। ये एक औषधीय है जो एंटी वायरल, एंटी फंगल और एंटी आक्सीडेंट है। इसका सेवन कई तरह से कर सकते हैं। लहसुन में पोषक तत्व विटामिन ए, बी, सी और सल्फ्यूरिक एसिड विशेष मात्रा में पाया जाता है। इसके अंदर सल्फर पाया जाता है। इस वजह से इसका स्वाद तीखा होता है और महक तेज होती है। लहसुन कई बीमारियों के लिए लाभदायक है। लहसुन खाने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में रहता है। इससे हृदय स्वस्थ रहता है। ये आपके पाचन तंत्र को ठीक रखने में मदद करता है।

आलू के पोषक तत्व : ये विटामिन बी 1, बी 3 और बी 6 और पोटैशियम, फास्फोरस और मैग्नीशियम जैसे मिनरल का एक अच्छा स्रोत है, और इसमें फोलेट, पैंटोथेनिक एसिड और राइबोफ्लेविन होता है। आलू में डायट्री एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं, जो उम्र बढ़ने से संबंधित बीमारियों को रोकने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, और डायट्री फाइबर, जो स्वास्थ्य को लाभ पहुंचाता है। अध्ययनों के अनुसार इसमें बेहतर ब्लड शुगर नियंत्रण, हृदय रोग के जोखिम को कम करना और इम्युनिटी बढ़ना शामिल है। ये पाचन स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं और उम्र बढ़ने के लक्षणों का मुकाबला कर सकते हैं।

जानिए रिफ्यूजी कौन होते हैं, भारत में शरणार्थियों को लेकर क्या कानून है?

• **नई दिल्ली.** रिपोर्टर

अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद देश में हालात बेकाबू हैं। डर के मारे लाखों अफगान नागरिक परिवार के साथ देश छोड़कर भागने की कोशिश में हैं। लोगों को डर है तालिबान राज में आगे अफगानिस्तान में उनकी जिंदगी महफूज नहीं रह जाएगी। वहीं भारत अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा समेत कई दूसरे देश भी अफगान नागरिकों को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

दिल्ली में UNHCR यानी कि यूनाइटेड नेशंस हाई कमिश्नर फॉर रिफ्यूजीज के ऑफिस के सामने धरने पर बैठे सैकड़ों अफगानी रिफ्यूजी कार्ड की मांग कर रहे हैं। आज के know this video में हम आपको बताएंगे कि Refugees का मतलब क्या है? शरणार्थियों को लेकर भारतीय कानून क्या कहता है? साथ ही बताएंगे कि भारत में नागरिकता प्राप्त करने के क्या नियम हैं?

सबसे पहले जानते हैं कि शरणार्थी किसे कहते हैं?

UNHCR के मुताबिक, शरणार्थी वो होता है जिसे harassment, जंग या हिंसा के कारण अपने देश से भागने के लिए मजबूर किया गया हो और ऐसे में वो किसी दूसरे देश में रहने लगे हों। जिस देश में वो वहां की नागरिकता उन्हें हासिल ना हो और डर की वजह से वो अपने देश लौटने की इच्छा ना रखते हों। ऐसे लोगों को शरणार्थी कहते हैं।

जो लोग दूसरे देशों में आश्रय चाहते हैं उन्हें वहां रहने की वजह साबित करनी होती है। इसके लिए लोग उस देश की सरकार से Asylum के लिए अप्लाई करते हैं। और एप्लीकेशन एक्सेप्ट होने के बाद उन्हें शरणार्थी का दर्जा मिल जाता है।

बता दें कि UNHCR के अनुसार, दुनिया में सबसे ज्यादा शरणार्थी पांच देशों से आते हैं। और वो देश हैं सीरिया, वेनेजुएला, अफगानिस्तान, दक्षिण सूडान और म्यांमार।

भारतीय में शरणार्थियों को लेकर कानून : दरअसल भारत में रिफ्यूजीज से जुड़ा कोई कानून नहीं है न ही कोई नीति है। एक अनुमान के मुताबिक इस वक़्त भारत में 3 लाख रिफ्यूजी रह रहे हैं। जिन्हें भारत सरकार कभी भी गैर कानूनी प्रवासी करार दे सकती है और फिर विदेशी अधिनियम या पासपोर्ट अधिनियम के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई कर सकती है।

बता दें कि हाल ही भारत सरकार ने शरणार्थियों से जुड़ा Citizenship Amendment Act बनाया था लेकिन उसे अभी नोटिफाई नहीं किया गया है। हालांकि इस कानून में धर्म को नागरिकता देने का आधार बनाया गया है।

UNHCR क्या है?

दुनियाभर में शरणार्थियों के हितों की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र की एक रिफ्यूजी एजेंसी है जिसका नाम UNHCR है, ये एक international organization है जो रिफ्यूजीज की जिन्दगी बचाने के लिए, उनके अधिकारों की रक्षा करने और उनके बेहतर भविष्य के लिए डेडिकेटेड है।

संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी की स्थापना वर्ष 1950 में की गई थी और इसका मुख्यालय जिनेवा में है। यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन 1951 के अर्टिकल 2 के पैराग्राफ 1 में रिफ्यूजी की परिभाषा लिखी गयी है। ये परिभाषा शरणार्थी के दर्जे से जुड़े प्रोटोकॉल के तहत दी गई है, जो अंतरराष्ट्रीय शरणार्थी कानून संधि का एक अहम हिस्सा है।

बता दें कि ये संधि अक्टूबर 1967 को लागू की गई थी जिसका भारत हिस्सा नहीं है। मतलब साफ़ है कि भारत रिफ्यूजीस को शरण देने के लिए बाध्य नहीं है, फिर भी 1970 और 1990 के दशकों में भारत में बड़ी तादाद में अफगान शरणार्थी आए। इस वक्त देश में करीब 15,000 अफगान शरणार्थी रहते हैं। ऐसे में कह सकते हैं कि भारत ने एक अच्छे पड़ोसी होने के नाते हजारों की संख्या में अफगान नागरिकों को शरण दी है।

भारत की नागरिकता कैसे मिलती है ?

मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स के अनुसार, Citizenship act 1955 के तहत भारत की नागरिकता चार तरीकों से हासिल की जा सकती है। इसमें भारत का संविधान लागू होने यानी कि 26 जनवरी, 1950 के बाद भारत में जन्मा कोई भी व्यक्ति जन्म से यहां का नागरिक है।

दूसरा प्रावधान वंशानुक्रम या रक्त संबंध के आधार पर नागरिकता देने का है।

भारत की नागरिकता के लिए तीसरा आधार है Registration यानी की पंजीकरण।

जबकि चौथे प्रावधान के तहत कोई भी व्यक्ति नेचुरलाइजेशन यानी देश में रहने के आधार पर भी नागरिकता हासिल कर सकता है। लेकिन इसके लिए उसे नागरिकता अधिनियम की तीसरी अनुसूची की सभी शर्तों को पूरा करना होगा जैसे कि वो पिछळे 12 महीने पहले से भारत में रह रहा हो या भारत सरकार की सेवा में हो, इत्यादि।

नॉलेज न्यूज

चीनी कंपनियों को एमेजॉन ने दिया बड़ा झटका

एमेजॉन ने हाल ही में अपने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कई चीनी सेलर्स को चौंका दिया जब उसने 600 ब्रैंड्स पर प्रतिबंध लगा दिया। इन चीनी कंपनियों पर एमेजॉन ने इसलिए प्रतिबंध लगाया गया है क्योंकि यह पाया गया था कि उन्होंने रिव्यू अब्यूज से संबंधित रिटेल जाएंट की नीतियों का उल्लंघन किया था। एमेजॉन ने 2016 में सभी प्रकार के रिव्यू दुरुपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था। एमेजॉन प्रतिबंध ग्लोबल लेवल पर लोकप्रिय ब्रैंड्स को प्रभावित करेगा।

द वर्ज की एक रिपोर्ट के अनुसार, 3,000 सेलर अकाउंट्स में 600 चीनी ब्रैंड्स पर स्थायी प्रतिबंध के साथ, एमेजॉन उन फर्म्स पर नकेल कस रहा है जो ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की रिव्यू मैकेनिज्म का दुरुपयोग कर रही थीं। ई-कॉमर्स दिग्गज ने कथित तौर पर खुलासा किया कि इन चीनी ब्रैंड्स पर प्रतिबंध लगाने की प्रक्रिया उन ब्रैंड्स पर पांच महीने की वैश्विक कार्रवाई के बाद पूरी हो गई है, जो यूजर रिव्यू के लिए एमेजॉन द्वारा बनाई गई प्रणाली को 'गेमिंग' कर रहे थे।

रिपोर्ट के अनुसार, एमेजॉन प्रतिबंध उन ब्रैंड्स के खिलाफ लागू किया गया था जिन्होंने "जानबूझकर, बार-बार और महत्वपूर्ण रूप से" कंपनी की नीतियों का उल्लंघन किया था। इस तरह के रिव्यू का खुलासा सबसे पहले वॉल स्ट्रीट जर्नल ने जून के महीने में किया था। रिपोर्ट में बताया गया था कि। इलेक्ट्रॉनिक ब्रैंड RAVPower यहां उन यूजर्स को 35 डॉलर का गिफ्ट कार्ड दे रहा है जो प्रोडक्ट का रिव्यू कर रहे हैं। रिपोर्ट में जिन ब्रैंड्स का नाम आया था उसमें Mpow, Auley, RavPower, Vava और बाकी शामिल हैं। इन ब्रैंड्स ने एमेजॉन के कई नियम तोड़े थे। जिसमें कुछ में तो एक्सटेंडेड वारंटी प्रोग्राम भी शामिल था, इसका नाम वीआईपी टेस्टिंग प्रोग्राम था। रिपोर्ट के अनुसार, ब्रैंड्स ने उन यूजर्स के साथ ही कॉन्टैक्ट किया जिन्होंने नेगेटिव रिव्यू दिया था या फिर रिफंड के लिए अप्लाई किया था।

एमेजॉन ने एक बयान में कहा कि, कंपनी काफी मेहनत करती है जिससे ग्राहकों को एक जबरदस्त स्टोर अनुभव मिले, वहीं वो पूरे आत्मविश्वास के साथ खरीदारी कर सकें। इसके अलावा कंपनी सेलर्स को भी अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने का मौका देती है। ग्राहक यहां रिव्यू देखकर ही कोई प्रोडक्ट लेते हैं, ऐसे में अगर कोई पार्टनर इसका उल्लंघन करता है तो हम उसे बैन कर देंगे और उसके खिलाफ एक्शन लेंगे।

नवंबर के दूसरे हफ्ते तक चलेंगी प्री-बजट मीटिंग, 12 अक्टूबर से शुरू होगी बैठक

वित्त मंत्रालय 2022-23 के लिए वार्षिक बजट 12 अक्टूबर से तैयार करने की कवायद शुरू करेगा। अगले वर्ष के बजट में मांग सृजन, रोजगार सृजन और अर्थव्यवस्था को निरंतर 8 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी के रास्ते पर रखने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान देना होगा। यह 2019 में दूसरी बार मोदी सरकार बनने के बाद केन्द्र सरकार का चौथा बजट और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का भी चौथा बजट होगा।

आर्थिक मामलों के विभाग के बजट प्रभाग के 16 सितंबर 2021 की तारीख वाले बजट सर्कुलर (2022-23) के अनुसार, बजट पूर्व/आरई (संशोधित अनुमान) बैठकें 12 अक्टूबर 2021 से शुरू होंगी। सर्कुलर के मुताबिक, सभी वित्तीय सलाहकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि परिशिष्ट एक से सात में निहित इन बैठकों से संबंधित जरूरी विवरण यूबीआईएस (केंद्रीय बजट सूचना प्रणाली) के आरई मॉड्यूल में दर्ज किए गए हैं।

नवंबर के दूसरे सप्ताह तक चलेगा प्री-बजट बैठक : व्यय सचिव द्वारा अन्य सचिवों और वित्तीय सलाहकारों के साथ चर्चा पूरी करने के बाद 2022-23 के बजट अनुमानों (BE) को अस्थायी तौर पर अंतिम रूप दिया जाएगा। इसमें कहा गया कि बजट पूर्व बैठकें 12 अक्टूबर से शुरू होंगी और नवंबर के दूसरे सप्ताह तक जारी रहेंगी। सर्कुलर के अनुसार, इस वर्ष की विशेष परिस्थितियों को देखते हुए, अंतिम बजटीय आवंटन का आधार समग्र वित्तीय स्थिति होगा और यह मंत्रालय/विभाग की अवशोषण क्षमता के अधीन होगा।

1 फरवरी 2022 को पेश होगा आम बजट : यूनियन बजट 2022-23, 1 फरवरी, 2022 को पेश किया जाएगा। मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने फरवरी के अंत में बजट पेश करने की ब्रिटिश कालीन परंपरा को समाप्त कर दिया है। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने पहली बार 1 फरवरी, 2017 को बजट पेश किया था। बजट को पहले पेश करने के साथ ही मंत्रालयों को अब बजट में आवंटित उनके फंड को वित्तीय वर्ष की शुरुआत यानी अप्रैल में ही दे दिया जाता है।

ये होगी एशिया की पहली हाइब्रिड फ्लाइंग कार

भारत में जल्द हो सकती है उड़ने वाली कारों की शुरुआत

शहर की सड़कों पर भीड़भाड़ बढ़ती जा रही है, ऐसे में आसमान में आना-जाना का एक नया विकल्प हो सकता है। अर्बन ट्रांसपोर्ट स्पेशलिस्ट अब ऐसी संभावनाओं की तलाश करते रहे हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

फ्लाइंग कार एक ग्लोबल कॉन्सेप्ट है जिस पर कई कंपनियां और स्टार्टअप काम कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि भारत में जल्द ही उड़ने वाली कारों की शुरुआत होने की संभावना है। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि उन्होंने विनता एयरोमोबिलिटी की एक टीम से मुलाकात की और एक कॉन्सेप्ट फ्लाइंग कार की जांच की है। यह एशिया की पहली हाइब्रिड फ्लाइंग कार बनने की उम्मीद है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह भी कहा कि एक बार जब यह कॉन्सेप्ट मॉडल रियल बन जाता है, तो उड़ने वाली कारों का इस्तेमाल लोगों और माल के परिवहन के लिए किया जाएगा। इसके अलावा, उड़ने वाली कारों का उपयोग मेडिकल इमरजेंसी सर्विस ऑफर करने के लिए किया जाएगा। जैसा कि फ्लाइंग कार मेकर का दावा है, एक बार रियल में तब्दील हो जाने पर, यह पूरी तरह से ऑटोमैटिक हाइब्रिड-इलेक्ट्रिक वीटीओएल वाहन दो पैसेंजर को ले जाने में सक्षम होगा।

कैसे काम करेगी हाइब्रिड फ्लाइंग कार : यह एक को-एक्सियल क्वाड-रोटर सिस्टम से ऑपरेट होगा जो आठ बीएलडीसी मोटर्स से एनर्जी लेता है जो आठ फिक्स्ड पिच प्रोपेलर के साथ आते हैं। मोटर्स को पावर ऑफर करने के लिए वाहन बायो फ्यूल का उपयोग करेगा। उड़ने वाली यह कार मैक्सिमम 1,300 किलोग्राम वजन के साथ उड़ान भर सकती है। यह 120 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड से 60 मिनट तक उड़ान भर सकता है। रेंज के मामले में उड़ने वाली कार बिना फ्यूल भरे 100 किमी तक उड़ सकती है। यह जमीनी लेवल से मैक्सिमम 3,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ सकता है।

मेकर का दावा है कि यदि उड़ने वाली कार का एक रोटर विफल हो जाता है, तो दूसरे लेबर मोटर और प्रोपेलर विमान को सुरक्षित रूप से उतार सकते हैं। शहर की सड़कों पर भीड़भाड़ बढ़ती जा रही है, ऐसे में आसमान में आना-जाना का एक नया विकल्प हो सकता है। अर्बन ट्रांसपोर्ट स्पेशलिस्ट ऐसी संभावनाओं की तलाश करते रहे हैं।

उड़ने वाली कारें समान रूप से सड़कों पर दौड़ सकती हैं और आसमान में उड़ सकती हैं। इससे ट्रांसपोर्ट सेक्टर को अधिक सुविधा मिलेगी और समय कम होगा और सड़कों पर भीड़भाड़ भी कम होगी। यहां तक कि उबर जैसे राइड-शेयरिंग और राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म भी भविष्य की ट्रांसपोर्ट सिस्टम के लिए फ्लाइंग कार फ्लीट शुरू करने के विचार कर रहे हैं।

ट्रेडिशनल ऑटो दिग्गजों में, दक्षिण कोरियाई व्हीकल मेकर हुंडई ने भी ऐसे कॉन्सेप्ट शो किया है, जहां उड़ने वाली कारों का इस्तेमाल शहर में आने-जाने के लिए किया जाएगा।

खतरनाक समुद्री रास्ते से यूरोप जा रहे 190 प्रवासियों को बचाया गया, महिलाएं और बच्चे भी शामिल

बेहतर जिंदगी की तलाश में यूरोप जाने वाले प्रवासियों को दो नावों से बचाया गया है। इन लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। रबड़ की एक नाव में बैठे इन लोगों ने मदद मांगी थी।

नई दिल्ली. लीबिया के तट पर दो जहाजों ने महिलाओं और बच्चों सहित लगभग 190 प्रवासियों को बचाया है, जो यूरोप जा रहे थे। जहाजों का संचालन करने वालों ने यह जानकारी दी।

भूमध्य सागर को पार करने की बढ़ती घटनाओं के बीच ये दोनों मामले सामने आए हैं। संयुक्त राष्ट्र की प्रवासी मामलों से जुड़ी एक एजेंसी के अनुसार, इस साल अभी तक देश के तटरक्षक बलों ने 24000 से अधिक प्रवासियों को रोका और उन्हें उनके देश वापस भेजा है।

यह संख्या 2020 के मुकाबले दोगुनी है, जब लगभग 11,890 प्रवासियों को संघर्षग्रस्त देश में वापस किनारे पर लाया गया था। यह भी आशंका है कि साल के पहले छह महीने में एक हजार से अधिक लोग डूब गए थे। प्रवासियों ने गत दिनों रबड़ की एक नाव से बचाव दल को हाथ हिलाकर अपनी और आकर्षित किया और फिर उन्हें 'लाइफ जैकेट' दी गई। इसके बाद उन्हें नौका 'जियो बैरेंट्स' पर पहुंचाया गया, जो 'चैरिटी डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' द्वारा संचालित एक बचाव पोत है।

तीन दिन में 130 लोगों को बचाया : संगठन के परियोजना समन्वयक 'बारबरा डेक' के अनुसार, वे करीब 54 प्रवासी थे, जिनमें कई नाबालिग, छह महिलाएं और छह सप्ताह का एक बच्चा शामिल है। 'एसओएस मेडिटरेनी चैरिटी' की संचार अधिकारी क्लेयर जुचैट ने बताया कि लीबिया के इसी इलाके में कार्यरत 'ओशन वाइकिंग' नौका ने पिछले तीन दिनों में यूरोप जा रहे करीब 130 प्रवासियों को बचाया है। इनमें 44 बच्चे, 12 महिलाएं शामिल हैं। दो प्रवासियों की हालत गंभीर है, जिन्हें उनके परिवार के चार सदस्यों के साथ बचाया गया था।

दुनियाभर में शरणार्थी संकट की स्थिति : इस समय दुनियाभर में शरणार्थी संकट की स्थिति बनी हुई है। गरीब और युद्धग्रस्त देशों के लोग बेहतर जीवन की तलाश में अमेरिका और यूरोपीय देशों का रुख कर रहे हैं। ये लोग इन देशों तक अवैध तरीके से पहुंचने के लिए खतरनाक रास्तों का सहारा लेते हैं। इन खतरनाक रास्तों में सबसे ज्यादा समुद्री रास्ते का चयन होता है। जहां जरूरत से ज्यादा लोगों के बैठे जाने के कारण नाव पानी में डूब जाती हैं। इस तरह के हादसे काफी ज्यादा देखने को मिल रहे है। शरणार्थी संकट से निपटने के लिए सभी देश अलग-अलग उपाय अपना रहे हैं।

नीरज चोपड़ा की दीवानी हुईं लड़कियां, फोटो देख कहा- मुझसे शादी करोगे?

नीरज चोपड़ा की फैन फॉलोइंग कितनी बड़ी है, ये तो आप सभी जानते होंगे। लेकिन लड़कियों के बीच कितना क्रेज है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्हें अब सोशल मीडिया पर भी शादी के प्रस्ताव मिलने लगे हैं।

नई दिल्ली. आज की तारीख में ओलिंपियन नीरज चोपड़ा की फैन फॉलोइंग कितनी बड़ी है, ये तो आप सभी जानते होंगे। लेकिन लड़कियों के बीच कितना क्रेज है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि नीरज को अब सोशल मीडिया पर भी शादी के प्रस्ताव मिलने लगे हैं। लड़कियां खुल्लम-खुल्ला कह रही हैं कि क्या आप मुझसे शादी करेंगे।

इंडिया की लगभग हर लड़की नीरज की दीवानी हो रही है। ऐसे में यह कहना कतई गलत नहीं होगा कि नीरज देश के सबसे एलिजिबल बैचलर्स में से एक बन गए हैं।

बता दें कि नीरज सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं। वे जब भी अपने किसी भी सोशल मीडिया अकाउंट पर कोई पोस्ट शेयर करते हैं, वह फौरन वायरल हो जाती है।

हाल ही में ट्विटर पर उन्होंने चाय के साथ रोटी का आनंद लेते हुए अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जो वायरल हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि उनकी इस पोस्ट पर ज्यादातर लड़कियों ने कमेंट किया है। इतना ही नहीं, इनमें से कई लड़कियों ने तो उन्हें शादी का प्रस्ताव तक दे दिया है। लड़कियां नीरज की इस कदर दीवानी बनी हुई हैं कि वे सोशल मीडिया पर ही अपने प्यार का इजहार करने लगी हैं। रोशनी नाम की यूजर ने नीरज के ट्विटर पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा है, 'मुझसे शादी कर लो, मेरी टेंशन को भी बाय-बाय कर दो।' वहीं, देव्यानी नाम की एक यूजर ने नीरज की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए कमेंट किया है, 'मुझे कुर्ते में ये देसी छोरा खूब पसंद आता है।'

इसके अलावा अदिति नाम की यूजर ने नीरज से सवाल करते हुए पूछा है, क्या आप मेरे साथ डेट पर चलेंगे? अदिति के इस कमेंट पर एक दूसरी लड़की उससे उलझ पड़ती है। अदिति को जवाब देते हुए इस लड़की ने लिखा है, अगले साल राखी बांधने की तैयारी कर लो। जिसके बाद अदिति ने भी रिप्लाय करते हुए लिखा, वो मेरे डार्लिंग हैं। हालांकि, इस नोकझोंक का प्यार भरा अंत होता है।

कुशाक ने किया 10000 बुकिंग्स का आंकड़ा पार

खामी के कारण वापस बुलाई गाड़ियां, जल्द ही ठीक होगी प्रॉब्लम

स्कोडा कुशाक कार जिन लोगों ने खरीदी है, उन्हें कई दिक्कतों से जूझना पड़ रहा है। लोगों ने गाड़ी के ईपीसी यानी इलेक्ट्रॉनिक पावर कंट्रोल को लेकर सबसे ज्यादा शिकायतें की हैं। स्कोडा ने प्रॉब्लम का पता लगा लिया है और वो जल्द ही इस प्रॉब्लम को ठीक करने के लिए फॉल्टी फ्यूल पंप को ठीक करेगी।

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

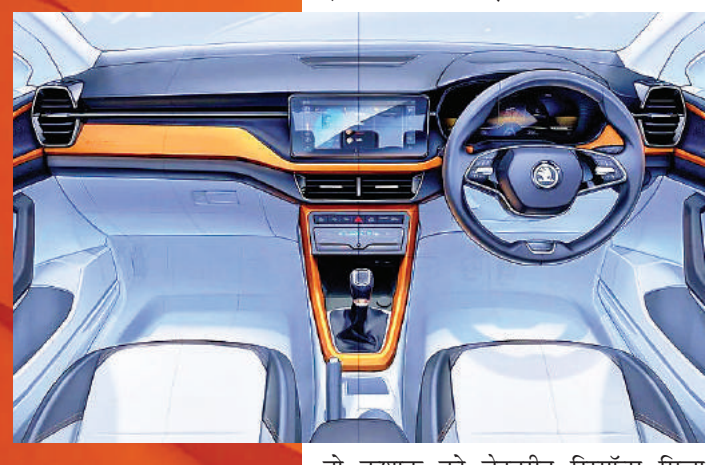

स्कोडा की मिड साइज एसयूवी कुशाक लोगों को खूब पसंद आ रही है। यही वजह है कि कार को लॉन्च हुए अभी कुछ ही समय हुआ है और इसने 10 हजार बुकिंग्स का आंकड़ा भी पार कर लिया है। लेकिन कुशाक के चाहने वालों और इस कार को खरीद चुके लोगों के लिए एक बुरी खबर है। क्या है ये बुरी खबर आइए जानते हैं...

स्कोडा कुशाक की डिलीवरी मिले हुए लोगों को अभी मुश्किल से एक या दो महीने ही हुए हैं। पर जिन लोगों ने ये कार खरीदी है, उनकी शिकायतों के सोशल मीडिया पर ढेरों पोस्ट सामने आ चुके हैं। लोगों ने गाड़ी के ईपीसी यानी इलेक्ट्रॉनिक पावर कंट्रोल को लेकर सबसे ज्यादा शिकायतें की हैं। ऑटोकार इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, कस्टमर्स की इन शिकायतों पर ध्यान देते हुए अब स्कोडा ने प्रॉब्लम का पता लगा लिया है और वो जल्द ही इस प्रॉब्लम को ठीक करने के लिए फॉल्टी फ्यूल पंप को ठीक करेगी। हालांकि स्कोडा की ओर से अभी किसी भी कुशाक को रिकॉल करने का ऐलान नहीं किया गया है। लेकिन इस बात की काफी ज्यादा उम्मीद है कि कंपनी कुछ ही दिन में ये कदम उठा सकती है।

क्या-क्या हैं शिकायतें : कार को लेकर कुछ ग्राहकों ने तो डिलीवरी मिलने के दो दिन के अंदर ही ईपीसी की शिकायत की। लोगों का कहना है कि ईपीसी पर वार्निंग लाइट दिखने लगी, पावर लॉस का सामना करना पड़ा और तो और इंजन भी पूरी तरह से कट ऑफ हो गया।

वहीं स्कोडा की ओर से कहा जा रहा है कि वो फ्यूल पंप को चेंज करेगी और ज्यादा बेहतर यूनिट लगाएगी। जिन भी ग्राहकों को ये समस्या आ रही है फ्री ऑफ कॉस्ट उनका काम किया जाएगा। वहीं अब जो नई कुशाक डिस्पैच की जा रही हैं। उनमें कंपनी अपडेटेड फ्यूल पंप ही और ज्यादा बेहतर फ्यूल पंप फिट किया जाएगा। जब स्टॉक होगा तो डीलर्स जरूर से कस्टमर्स को कॉन्टैक्ट करेंगे।

दो महीने में छू लिया 10 हजार बुकिंग का आंकड़ा : फ्यूल पंप में आने वाली इस समस्या को एक बार किनारे कर दें तो कुशाक को बेहतरीन रिस्पॉन्स मिला है। लोगों को ये गाड़ी अपने फीचर्स और लुक की वजह से खूब भा रही है। 28 जून को लॉन्च होने के बाद से इसने सिर्फ दो महीनों में ही 10 हजार बुकिंग्स का मार्क क्रॉस कर लिया है। ये दर्शाता है कि ग्राहकों को कुशाक पसंद आ रही है।

एक हफ्ते के अंदर-अंदर ज्वैलरी शॉप में से हुई चोरी ट्रेस कर 3 आरोपी किए गिरफ्तार

जालंधर ब्रीज. नौनिहाल सिंह आईपीएस कमिश्नर पुलिस जालंधर द्वारा जालंधर कमिश्नरेट में शरारती तत्वों के विरुद्ध शुरू गए अभियान के तहत अश्विनी कुमार पीपीएस अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर सिटी-2 जालंधर की हिदायत के अनुसार हरिंदर सिंह गिल पीपीएस एसीपी मॉडल टाउन जालंधर निगरानी व दिशा-निर्देषों के तहत आईएनएसपी गगनदीप सिंह 22/जेआरटी मुख्य अधिकारी थाना डिवीजन नंबर 7 जालंधर ने 13 सितंबर को पारस भारद्वाज ज्वेलरी शाप के नज़दीक दयानंद चौंक गढ़ा जालंधर से कार सवार ना-मालूम व्यक्तियों के द्वारा गहने चोरी करने संबंधी दर्ज किए मामले के तहत तीन आरोपियों को एक हफ्ते के अंदर-अंदर ट्रेस करने में बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपियों को आज अदालत में पेश कर इनका 2 दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया है।

आरोपियों की पहचान हरप्रीत सिंह उर्फ प्रीत (25) पुत्र जसविंदर सिंह निवासी रेलवे कोच फेक्टरी कपूरथला, भंवर सिंह उर्फ रौनी (25) पुत्र जगदीश सिंह निवासी रेलवे कोच फेक्टरी व आयूश शर्मा (23) पुत्र गुरदेव शर्मा निवासी बाबा दीप सिंह नगर, कपूरथला के तौर पर हुई है। पुलिस ने इनके पास से 2 सोने की चेन व 1 सोने की अंगूठी बरामद किए हैं।

मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने डेरा सच्चखंड बल्लां में माथा टेका

जालंधर में श्री गुरु रविदास चेयर स्थापित करने की घोषणा

बल्लां (जालंधर). पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की तरफ से आज श्री गुरु रविदास जी के जीवन, फलसफे और शिक्षाओं के प्रसार के लिए 101 एकड़ ज़मीन में श्री गुरु रविदास चेयर स्थापित करने की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री, जोकि उप मुख्यमंत्री सुखजिन्दर सिंह रंधावा के साथ डेरा सच्चखंड बल्लां में माथा टेकने के लिए आए थे, ने कहा कि डेरे के साथ लगती ज़मीन में चेयर स्थापित की जायेगी और डेरे की तरफ से ही इसका प्रबंधन किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से आने वाले दस वर्षों के लिए चेयर के संचालन और रख-रखाव को विश्वसनीय बनाया जायेगा। चन्नी ने आशा प्रकट की कि यह अति आधुनिक चेयर श्री गुरु रविदास महाराज जी के जीवन और फलसफे पर विशाल खोज केंद्र के तौर पर उभरेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी तरफ से गुरूवार को कपूरथला में बाबा साहिब डा. बी. आर. अम्बेदकर को समर्पित अजायब घर का भी नींव पत्थर रखा जायेगा। इसी तरह राज्य में बाबा साहिब के नाम पर एक मैनेजमेंट कालेज भी स्थापित किया जायेगा। चन्नी ने कहा कि लोगों को उच्च शिक्षा देने पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह खुशकिस्मत हैं कि उनको पदभार संभालने के बाद इस पवित्र धरती पर नतमस्तक होने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि यह धरती श्री गुरु रविदास महाराज जी के लाखों पैरोकारों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रही है, जिन्होंने समूची मानवता को समानतावादी समाज का पाठ पढ़ाया। चन्नी ने यह भी कहा कि इस पवित्र स्थान के दर्शन करके उनके मन को शांति मिली है।

मुख्यमंत्री ने डेरे की तरफ से लोगों की सामाजिक और आर्थिक कल्याण में निभाई गई भूमिका की प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा कि लोगों को श्री गुरू रविदास महाराज जी की शिक्षाओं और फलसफे के साथ जोडऩे के अलावा डेरा समाज के जरूरतमंद और गरीब वर्ग को उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में हमेशा अहम भूमिका निभाता रहा है। चन्नी ने डेरे की तरफ से लोगों के कल्याण के लिए दीं जा रही सेवाओं की भी प्रशंसा की।

जालंधर से लोकसभा मैंबर चौधरी संतोख सिंह की तरफ से मुख्यमंत्री का डेरे में पहुँचने पर स्वागत किया गया।

केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर 24 को करेंगे पहले हिमालयन फिल्म महोत्सव की शुरुआत

नई दिल्ली. केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर 24 सितंबर 2021 को पहले हिमालयन फिल्म महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। पांच दिन की अवधि वाला यह फिल्म महोत्सव लेह-लद्दाख में 24 से 28 सितंबर 2021 तक आयोजित होगा। फिल्म महोत्सव के उद्घाटन सत्र में शेरशाह फिल्म निर्माता और इसके कलाकार उपस्थित रहेंगे, जिनमें फिल्म निर्देशक श्री विष्णुवर्धन और फिल्म के प्रमुख कलाकार सिद्धार्थ मल्होत्रा शामिल है। शेरशाह फिल्म को दिखाने के साथ इस महोत्सव की शुरुआत होगी। दर्शकों और सिने प्रेमियों को लुभाने के लिए फिल्म महोत्सव में विभिन्न खंड शामिल हैं।

इस दौरान समकालीन राष्ट्रीय पुरस्कारों और भारतीय पैनोरमा में चयनित फिल्मों का एक पैकेज प्रदर्शित किया जाएगा। यह स्क्रीनिंग सिंधु संस्कृति ऑडिटोरियम लेह में होगी, जिसमें डिजिटल प्रोडक्शन सुविधाएं हैं। इस दौरान विभिन्न प्रकार की कार्यशालाओं और मास्टरक्लास का आयोजन किया जाएगा। जिसमें स्थानीय स्तर के फिल्म निर्माताओं, आलोचकों और तकनीशियनों को आमंत्रित किया जाएगा और उन्हें इस क्षेत्र के ज्ञान एवं कौशल की जानकारी दी जाएगी। यह सत्र फिल्म निर्माण के प्रति लोगों के रचनात्मक रुझान को बढ़ावा देने में एक प्रेरक की भूमिका निभाएगा।

प्रतियोगिता खंड में लघु फिल्मों और लघु वृत्तचित्रों को आमंत्रित किया गया है। इस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ फिल्मों के लिए पुरस्कार फिल्म निर्देशक, प्रोड्यूसर, सर्वश्रेष्ठ छायांकन, सर्वश्रेष्ठ संपादन और सर्वश्रेष्ठ कहानी के लिए है।

एकल अभिभावकों के बच्चों का स्कूलों में दाख़िला यकीनी बनाने के निर्देश

चंडीगढ़. एकल अभिभावकों (सिंगल पेरेंटस) की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग ने उनके बच्चों को बिना किसी अड़चन से स्कूलों में दाख़िला देने के निर्देश जारी किये हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस समय पर दाख़िला फार्म पर बच्चों के माता-पिता दोनों का नाम दर्ज करने की व्यवस्था है। इस कारण अकेले रह रहे अभिभवकों को अपने बच्चे स्कूलों में दाख़िल करवाने के लिए दिक्कत पेश आ रही है। इसको ध्यान में रखते हुए डायरैक्टर स्कूल शिक्षा (सीनियर सेकेंडरी) ने ज़िला शिक्षा अधिकारियों और स्कूल मुखियों को पत्र जारी कर दिया है। सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, एडिड और अनएडिड स्कूलों को किसी भी कारण से अकेले रह रहे अभिभावकों के बच्चों को दाख़िला देने से इन्कार न करने के लिए कहा गया है।

कपूरथला पुलिस ने एक और ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया

कपूरथला. नशीले पदार्थों को खत्म करने के अपने अभियान के तहत, जिला पुलिस ने मंगलवार को एक ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया, जिसमें तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 800 ग्राम हेरोइन और 80 हजार रुपये ड्रग मनी जब्त की गईं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जियान सिंह पुत्र बलवंत सिंह, तोती, सुल्तानपुर लोधी, निंदर कौर पुत्री जियान सिंह और विजया बधरा की पत्नी राजा बधरा, 5/235 गांधी कॉलोनी रीजेंट स्टेट कलकत्ता के के रूप में हुई है।

एसएसपी हरकमलप्रीत सिंह खख ने बताया कि देश विरोधी और नशा तस्करों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए एसपी विशालजीत सिंह और डीएसपी/डी सरबजीत राय की निगरानी में सीआईए स्टाफ की पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जस्टिन ट्रूडो को चुनाव में जीत पर बधाई दी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को चुनाव में उनकी जीत पर बधाई दी है। एक ट्वीट में प्रधानमंत्री ने कहा; "चुनावों में जीत पर प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो आपको बधाई! मैं भारत-कनाडा संबंधों में और मजबूती लाने के साथ-साथ वैश्विक और बहुपक्षीय मुद्दों पर हमारे सहयोग के लिए आपके साथ कार्य को निरंतररूप से जारी रखने के लिए तत्पर हूं।" मोदी 22 से 25 सितंबर तक अमेरिका की यात्रा पर गए हैं। वह राष्ट्रपति बाइडेन के साथ भारत अमेरिकी व्यापक-वैश्विक रणनीतिक साझेदारी और आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत करेंगे।

जालंधर में टीबी मरीज़ों की तलाश के लिए सेहत विभाग की 12 टीमें कर रही स्क्रीनिंग

जालंधर ब्रीज. सेहत विभाग की ओर से आर.एन.टी.पी.सी. रिवाइजड नेशनल टीबी कंट्रोल प्रोग्राम के तहत एसीएफ केस अर्थात टीबी के संदिग्ध मरीजों की पहचान करने के लिए सितंबर और अक्तूबर के महीने में अभियान चलाया जा रहा है। टीबी सर्वेक्षण संबंधी जानकारी देते हुए सिविल अस्पताल जालंधर डॉ. बलवंत सिंह ने बताया कि टीबी के संदिग्ध मरीजों की तलाश के लिए पूरे जिले में 12 टीबी यूनिट काम कर रहे हैं। अब तक टीबी की स्क्रीनिंग कर रही टीमों के द्वारा 1910 घरों में 2235 लोगों को स्क्रीन किया जा चुका है।

सर्वेक्षण में मिले टीबी के संदिग्ध मरीजों का बलगम टेस्ट करवाने के बाद रोग की पुष्टि होने के बाद मरीजों का डॉटस प्रोग्राम (डायरेक्टली आब्जर्ब्ड ट्रीटमेंट- सौरट कोर्स) अधीन मुफ्त इलाज शुरू किया जाएगा। डॉ. बलवंत सिंह ने बताया कि भारत सरकार का देश को साल 2025 तक तपेदिक मुक्त भारत बनाने का उद्देश्य है। टीबी इलाज योग्य है। अगर समय से इसका इलाज शुरू कर दिया जाए तो इसको गंभीर रूप से अख्त्यार करने से पहले ही रोका जा सकता है। उनके द्वारा लोगों से अपील की गई कि सर्वे कर रहे टीबी मरीजों के संपर्क में आने वाले लोगों को भी अपनी जांच करवानी चाहिए।

डेंटल ओपीडी का औचक निरीक्षण

जिला डेंटल हेल्थ अधिकारी डॉ. बलजीत रूबी के द्वारा शहीद बाबू लाभ सिंह यादगारी सिविल अस्पताल जालंधर की डेंटल ओपीडी का औचक निरीक्षण भी किया गया। इसके साथ ही उनके द्वारा इलाज के लिए आने वाले मरीजों के साथ बातचीत की। उनके द्वारा मौके पर मौजूद स्टाफ को हिदायत की गई कि मरीजों का इलाज करने में किसी तरह की लापरवाही न की जाए व कोरोना नियमों का भी पालन किया जाए।

ज़िला प्रशासकी कंपलैक्स के अहाते में कैंसल बूथों की नीलामी 1 अक्तूबर को

जालंधर. ज़िला प्रशासकी कंपलैक्स, जालंधर के अहाते में कैंसल किये बूथों की नीलामी दो सालों के लिए 01 नवंबर 2021 से 31 अक्तूबर 2023 तक के लिए 01 अक्तूबर 2021 को दोपहर 1.00 बजे उप -मंडल मैजिस्ट्रेट, जालंधर -1 की अध्यक्षता में उनके दफ़्तर में रखी गई है। कचेहरी कम्पाउंड के कैंसल किये गए बूथों की नीलामी कचेहरी कम्पाउंड रूल्ज 2003 मुताबिक की जानी है। इच्छुक व्यक्ति अपनी, आवेदनपत्र तारीख़ 30 -09 -2021 बाद दोपहर 3.00 बजे तक अपने आई.डी. प्रूफ़ समेत नजारत शाखा, डीसी दफ़्तर, जालंधर (कमरा नं. 122,123) में जमा करवा सकते हैं। बूथों का विवरण और बोली की शर्तें किसी भी काम वाले दिन सुबह 9.00 से शाम 5.00 बजे तक नजारत शाखा, दफ़्तर डिप्टी कमिश्नर, जालंधर (कमरा नं. 122,123) के नोटिस बोर्ड से देखीं जा सकतीं हैं।

स्पोर्ट्स प्लेनेट

टी20 वर्ल्ड कप में मौका न मिलने का नटराजन को नहीं है अफसोस, कहा- जानता था यह मुश्किल है

सनराइजर्स हैराबाद के स्पिन गेंदबाद टी नटराजन ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर टी20 फॉर्मेट में डेब्यू किया था

नई दिल्ली. भारतीय टीम के स्टार गेंदबाज टी नटराजन को अगले महीने यूएई में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय टीम में नहीं चुना गया है। हालांकि सनराइजर्स हैदराबाद के इस गेंदबाज को इसका कोई अफसोस नहीं है। चोट के कारण लंबे समय से क्रिकेट से दूर रहे नटराजन अब आईपीएल में वापसी कर रहे हैं।

बीसीसीआई ने कुछ ही समय पहले टी20 वर्ल्ड के लिए टीम का ऐलान किया था। इस टीम में टी नटराज का नाम शामिल नहीं था जिन्होंने ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर शानदार गेंदबाजी की थी। नटराजन नेट बॉलर के रूप में इस दौरे पर गए थे हालांकि उन्होंने फिर इसी दौरे पर अपना वनडे, टी20 और टेस्ट डेब्यू किया था। उनके प्रदर्शन को देखते हुए कई फैंस को उम्मीद थी कि बीसीसीआई उनका नाम वर्ल्ड कप के लिए टीम में चुनेगी लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

टी नटराजन को नहीं मिली वर्ल्ड कप टीम में जगह

टी नटराजन को इसका गम नहीं है क्योंकि वह जानते थे कि उनकी चोट और लंबे समय तक मैदान से दूर रहने के कारण उनका चयन मुश्किल है। उन्होंने कहा, 'मुझे कोई दुख नही हैं कि मेरा टी20 वर्ल्ड कप के लिए चयन नहीं किया गया। मैं जानता था कि मुझे ज्यादा समय नहीं हुआ है, ऐसे में मुझे लग रहा था कि मेरा चयन बहुत मुश्किल होगा। मुझे बहुत से लोगों ने कहा कि मेरा चयन होगा पर मुझे 15 सदस्यीय टीम में चुने जाने काभी भरोसा नहीं था। मैंने पिछले पांच महीने से क्रिकेट नहीं खेला है।'

सेलेक्टर्स ने बताया था चयन न होने का कारण | टीम के ऐलान के समय सेलेक्टर्स ने बताया था कि बैठक में नटराजन के नाम पर चर्चा हुई थी। हालांकि चोट के कारण नटराजन लंबे समय से मैदान से दूर हैं। इसी वजह से उन्हें टीम में जगह नहीं दी गई है। नटराजन ने पिछला मुकाबला आईपीएल में ही खेला था। अप्रैल में अपनी टीम सनराइजर्स हैदराबाद के लिए उन्होंने अप्रैल में मुकाबला खेला था। इसके बाद तमिलनाडु प्रीमियर लीग में भी नहीं खेले थे। टी20 वर्ल्ड कप का चयन अगर आईपीएल के बाद होता तो नटराजन को मौका मिल सकता था। लेकिन मैदान से दूर होना उन्हें भारी पड़ा। सनराइजर्स हैदराबाद की स्थिति फिलहाल लीग में काफी खराब है। हैदराबाद की टीम को अब तक लीग में केवल एक ही जीत हासिल हुई है। वह अंकतालिका में सबसे निचले स्थान पर मौजूद है। टीम के लिए आईपीएल का यह दूसरा फेज काफी अहम है जिसकी शुरुआत आज से हो रही है।

अफगानिस्तान की 7 त्वाइकोंडो महिला खिलाड़ियों ने ली ऑस्ट्रेलिया में शरण

मेलबर्न. तालिबान के नियंत्रण वाले अफगानिस्तान की सात महिला ताइक्वांडो खिलाड़ी मेलबर्न में बस गयी हैं। ऑस्ट्रेलियाई ताइक्वांडो संघ की मुख्य कार्यकारी हीथर गैरियोक ने यह जानकारी दी।

गैरियोक ने कहा कि इन महिला खिलाड़ियों ने पृथकवास का समय पूरा कर लिया है। इनमें से अधिकतर खिलाड़ियों की पहचान उजागर नहीं की गयी है लेकिन तोक्यो ओलंपिक में अफगानिस्तान की किसी महिला ताइक्वांडो खिलाड़ी ने हिस्सा नहीं लिया था। गैरियोक ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान क्रेग फोस्टर ने इन खिलाड़ियों को अफगानिस्तान से बाहर निकालने में ऑस्ट्रेलियाई सरकार, ऑस्ट्रेलियाई ताइक्वांडो और ओसेनिया ताइक्वांडो के साथ मिलकर काम किया।

उन्होंने कहा, ''हमें वास्तव में खुशी है कि ये महिला खिलाड़ी सुरक्षित हैं और अफगानिस्तान से बाहर निकालने में मदद करने के लिये ऑस्ट्रेलियाई सरकार और ओसेनिया ताइक्वांडो की आभारी हैं। इन महिला खिलाड़ियों की जान खतरे में थी।'' इन खिलाड़ियों में से एक फातिमा अहमदी ने अफगानिस्तान से बाहर निकालने में मदद करने वाले सभी पक्षों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ''मैं ऑस्ट्रेलिया आकर बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। हम यहां बिना किसी खतरे के सुरक्षित हैं।''

महिला फुटबॉलर्स से बेहद नफरत करता है तालिबान

टीम के ऐलान के समय सेलेक्टर्स ने बताया था कि बैठक में नटराजन के नाम पर अफगान महिला टीम का गठन 2007 में किया गया था। जहां खेल खेलने वाली महिलाओं को तालिबान के खिलाफ राजनीतिक विरोध के रूप में देखा जाता था। अफगानिस्तान की महिला राष्ट्रीय फ़ुटबॉल टीम की कुछ खिलाड़ी 75 से अधिक यात्रियों को ले जाने वाली ऑस्ट्रेलियाई उड़ान में सवार हुईं थी। ग्लोबल सॉकर प्लेयर्स यूनियन FIFPRO ने एक बयान में कहा था कि, "ये युवा एथलीट और एक्टिविस्ट महिलाएं खतरे की स्थिति में थी और दुनिया भर में उनके साथियों की ओर से हम उनकी सहायता के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को धन्यवाद देते हैं।" टीम के सदस्यों को सलाह दी गई थी कि किसी भी प्रतिशोध से बचने के लिए सोशल मीडिया पोस्ट और अपनी तस्वीरें फेसबुक या ट्विटर से हटा दें। पूर्व महिला फुटबॉल कप्तान, खालिदा पोपल ने इस वाक्ये को एक "महत्वपूर्ण जीत" बताया।

अफगानिस्तान की महिला फुटबॉल टीम की खिलाड़ी उन दर्जनों खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें रिपोर्टों के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में रहने के लिए वीजा दिया गया था।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.